राष्ट्रीय समर स्मारक की दस बातें

प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 25 फरवरी को शहीद जवानों के सम्मान में राष्ट्रीय समर स्मारक का उद्घाटन किया. ये स्मारक आज़ादी के बाद देश के लिए सर्वस्व न्यौछावर कर देने वाले वीर सैनिकों के सम्मान में तैयार किया गया है. अभी तक दिल्ली में सिर्फ एक ही युद्ध स्मारक (इंडिया गेट) था, लेकिन वो प्रथम विश्वयुद्ध और अफगान लड़ाई के दौरान शहीद हुए 84 हज़ार सैनिकों की याद में अंग्रेज़ों ने बनवाया था. इसके बाद 1971 की लड़ाई में शहीद हुए करीब 4 हज़ार सैनिकों की याद में अमर जवान ज्योति बनाई गई. लेकिन ये पहला मौका है जब स्वतंत्रता के बाद राष्ट्र के लिए अपनी जान देने वाले जवानों के सम्मान में यह स्मारक बनाया गया. यहां जानिए इस राष्ट्रीय समर स्मारक से जुड़ी 10 खास बातें.

1. 2014 [illegible] 25 [illegible], 2019 [illegible].

2. [illegible], 4 [illegible]. [illegible] 15.5 [illegible].

3. [illegible] 26 [illegible].

4. [illegible].

5. [illegible] 176 [illegible].

6. 1947-48, 1961 [illegible], 1962 [illegible], 1965 [illegible], 1971 [illegible], 1987 [illegible], 1987-88 [illegible] 1999 [illegible].

7. [illegible] 600 [illegible].

8. [illegible].

9. [illegible],

क्षेत्र और परम योद्धा स्थल *(Param Yodha Sthal)* के लिए समय निश्चित किया [illegible] [illegible].

10. नेशनल वॉर मेमोरियल के पास ही *21* परमवीर चक्र पुरस्कार विजेताओं की [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible].